गोकुल में जन्मे साँवरिया

(आनन्द मगन गदगद बदन कृष्ण भाव के रंग,
जामे रंगीले सब स्वजन बाजत ढोल मृदंग।।)

गोकुल में जन्मे साँवरिया ।।03।।
सांवरिया रे सांवरिया ओ सांवरिया,
जेलन मे जन्मे सांवरिया,
गोकुल मे.....

मोर मुकुट सिर ऊपर साजे,
पीतांबर सब तन पर राजे,
ओ ओढ़े काली कांवरिया,
गोकुल मे.....

आगंन बीच डाल दओ पलना,
जापे मस्त झूल रहो ललना,
हो झूम रही ब्रज नगरिया,
गोकुल मे.....

आओ जन्माष्टमी मनाएं,
चलके मनमोहन को रिझाएं,
ओ लैके माखन की गागरिया,
गोकुल मे.....

सांवरिया रे सांवरिया ओ सांवरिया,
जेलन मे जन्मे सांवरिया,
गोकुल मे.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24953/title/gokul-me-janme-sanwariya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |